संबल योजना के दो लाख दिलाने के नाम पर मांगी रिश्वत

- लोकायुक्त ने निगम की वार्ड प्रभारी को रंगे हाथ पकड़ा
- 20 हजार की मांग की थी, पहली किस्त के 5 हजार लेते पकड़ाई

नव भारत न्यूज

इंदौर. संबल योजना के तहत मृतक के परिजन को मिलने वाली दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत कराने के नाम पर रिश्वत मांगने का मामला सामने आया है. लोकायुक्त पुलिस ने गुरुवार को नगर निगम की वार्ड प्रभारी संध्या पथरोड को शिकायतकर्ता से 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया. मामले में वार्ड प्रभारी सहायक हरभजन सिंह सलूजा को भी आरोपी बनाया है.

लोकायुक्त को ग्राम लिंबोड़ी में रहने वाले आशीष चौधरी ने शिकायत की थी कि उसके पिता की मृत्यु के बाद संबल योजना के तहत मिलने वाली दो लाख रुपए की सहायता राशि स्वीकृत कराने के एवज में संध्या पथरोड और हरभजन सिंह सलूजा 20 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहे हैं. शिकायत मिलने पर लोकायुक्त ने सत्यापन कराया, जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि हुई. इसके बाद आरोपियों ने 15 हजार रुपये तीन किस्तों में लेने पर सहमति जताई. योजना के तहत गुरुवार को भंवरकुआ स्थित डीडी गार्डन के पीछे जाल बिछाया. शिकायतकर्ता ने जैसे ही पहली किस्त के 5 हजार रुपए संध्या पथरोड को दिए, पहले से मौजूद लोकायुक्त टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया. कार्रवाई के दौरान हरभजन सिंह सलूजा की भूमिका भी सामने आने पर उसे भी आरोपी बनाया. लोकायुक्त ने दोनों आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम एवं बीएनएस के प्रावधानों के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है. ट्रैप कार्रवाई निरीक्षक प्रतिभा तोमर के नेतृत्व में की गई.

> **प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही**
>
> शिकायत मिलने के बाद सबसे पहले उसका सत्यापन कराया था, जिसमें रिश्वत मांगने की पुष्टि होने पर ट्रैप की योजना बनाई. नगर निगम की वार्ड प्रभारी संध्या पथरोड को शिकायतकर्ता से 5 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा. साथ ही मामले में हरभजन सिंह सलूजा को भी आरोपी बनाया है. दोनों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है.-
>
> **लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक, राजेश सहाय**

मिलने से इनकार किया तो लॉ स्टूडेंट के अश्लील वीडियो वायरल किए

- सोशल मीडिया दोस्त ने धमकाया, आरोपी गिरफ्तार
- फर्जी आईडी बनाकर भी डाले वीडियो

नव भारत न्यूज

इंदौर. 20 वर्षीय लॉ स्टूडेंट के अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने का मामला सामने आया है. आरोप है कि सोशल मीडिया के जरिए संपर्क में आए युवक ने छात्रा पर मिलने का दबाव बनाया. इनकार करने पर धमकी दी और बाद में उसके वीडियो सहेलियों व परिचितों को भेज दिए. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है.

छात्रा की पहचान करीब एक साल पहले उत्तर प्रदेश निवासी आदित्य राहुल वर्मा से सोशल मीडिया के माध्यम से हुई थी, दोनों के बीच बातचीत होने लगी. पिछले कुछ समय से आरोपी छात्रा पर मिलने का दबाव बना रहा था. छात्रा ने पुलिस को बताया कि आरोपी वीडियो कॉल के दौरान उस पर आपत्तिजनक तरीके से बात करने का दबाव बनाता था. विरोध करने पर आरोपी ने उसे जान से मारने और बदनाम करने की धमकी दी. इसके बाद वह अलग अलग मोबाइल नंबरों से कॉल कर परेशान करने लगा. आरोप है कि दो दिन पहले आरोपी ने छात्रा के अश्लील वीडियो उसकी सहेलियों और अन्य परिचितों को भेज दिए. इसके बाद सोशल मीडिया पर भी वीडियो वायरल कर दिए. आरोपी ने छात्रा के नाम से फर्जी सोशल मीडिया आईडी बनाकर उस पर भी आपत्तिजनक वीडियो अपलोड कर दिए थे. पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया और न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया. पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से आपत्तिजनक सामग्री हटाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है.

लैपटॉप चोरी करने फिर पहुंच गया उसी बिल्डिंग में

- रहवासियों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा
- एक दर्जन से ज्यादा लैपटॉप और टैब चुराना कबूला

नव भारत न्यूज

इंदौर. पलासिया थाना क्षेत्र में लैपटॉप चोरी करने वाला आरोपी उसी बिल्डिंग में दोबारा पहुंच गया, जहां उसने वारदात को अंजाम दिया था. रहवासियों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया. पूछताछ में आरोपी ने शहर के अलग-अलग क्षेत्रों से एक दर्जन से अधिक लैपटॉप और टैब चोरी करने की बात कबूली है.

साकेत क्षेत्र की एक बिल्डिंग से करीब आठ दिन पहले लैपटॉप चोरी होने की शिकायत मिली थी. मामले में पुलिस ने आवेदन लेकर जांच शुरू की थी. इसी दौरान आरोपी दोबारा उसी बिल्डिंग में पहुंच गया, जहां रहवासियों ने उसे पहचान लिया और पकड़ लिया. पकड़े गए आरोपी की पहचान प्रतीक लिखारे निवासी कोयला बाखल के रूप में हुई है. रहवासियों ने उसकी पिटाई करने के बाद पुलिस को सूचना दी. पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो उसने लैपटॉप चोरी की कई वारदातों का खुलासा किया.

> **भंवरकुआं क्षेत्र से भी लैपटॉप और गैजेट्स चुराना कबूला**
>
> आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने जेल रोड और भंवरकुआ क्षेत्र में भी कई लोगों के लैपटॉप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स चोरी किए थे, जिन्हें उसने बेच दिया. पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर एक दर्जन से अधिक लैपटॉप और टैब बरामद किए हैं. पुलिस खरीदारों तक भी पहुंची थी, हालांकि सामान जब्त करने के बाद उन्हें छोड़ दिया. मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है. अधिकारियों द्वारा जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा.

मंत्री के घर प्रदर्शन करने वाले पति-पत्नी पर केस

इंदौर. नंदानगर में मंत्री के घर के बाहर बुधवार को किए गए प्रदर्शन के मामले में पुलिस ने पति पत्नी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है. दोनों ने सड़क पर लेटकर प्रदर्शन किया था. पुलिस द्वारा समझाइश देने के बाद भी प्रदर्शन जारी रखने पर यह कार्रवाई की गई. रोड नंबर 9 स्थित गुरुकृपा आटा चक्की के सामने प्रहलाद और संगीता प्रदर्शन कर रहे थे. मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें सार्वजनिक मार्ग बाधित नहीं करने और प्रदर्शन खत्म करने के लिए समझाया था. इसके बाद भी प्रहलाद सड़क पर लेटकर प्रदर्शन करता रहा. पुलिस ने सार्वजनिक रास्ते में बाधा उत्पन्न करने और आदेश का उल्लंघन करने के मामले में दोनों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

एमडी ड्रग्स तस्करी मामले में फरार रानीपुरा का खिलौना कारोबारी धराया

इंदौर. एमडी ड्रग्स तस्करी के मामले में फरार चल रहे रानीपुरा निवासी खिलौना कारोबारी को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है. तस्करी के एक मामले में की जांच में उसकी भूमिका सामने आने के बाद से वह फरार था. इस मामले में पहले ही एक आरोपी से एमडी ड्रग्स और स्कूटी जब्त की जा चुकी है.

जांच में सामने आया कि आवेश कुरैशी उम्र 30 साल, निवासी रानीपुरा और माणिकबाग, इंदौर की इस मामले में भूमिका थी. घटना के बाद से वह पुलिस की पकड़ से बाहर था. क्राइम ब्रांच ने मुखबिर सूचना और तकनीकी जांच के आधार पर उसे गिरफ्तार किया. इस मामले में पुलिस ने पहले आसिम खान, निवासी मदीना नगर, आजाद नगर को गिरफ्तार किया था. उसके पास से 20.30 ग्राम एमडी ड्रग्स

(मेफेड्रोन) और घटना में इस्तेमाल वाहन जब्त किया था. जब्त सामग्री की कीमत करीब 2.60 लाख रुपए बताई गई है. पुलिस अब आवेश कुरैशी से पूछताछ कर यह पता लगा रही है कि एमडी ड्रग्स की खेप कहां से आई थी और इसके पीछे कौन कौन लोग जुड़े हैं. साथ ही शहर में नशे के कारोबार से जुड़े अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है.

> **आरोपी पर एससीएसटी एक्ट का मामला भी पूर्व से है दर्ज**
>
> डीसीपी क्राइम राजेश त्रिपाठी ने बताया कि रिकॉर्ड के अनुसार आवेश कुरैशी के खिलाफ पूर्व में सेंट्रल कोतवाली थाने में एससी/एसटी एक्ट और बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज है, आरोपी से पूछताछ की जा रही है.

एक नजर में

पुलिस को चमका देकर युवा कांग्रेस ने फूंका प्रधानमंत्री का पुतला!

महू. नीट पेपर लीक मामले और दिल्ली में छात्र-छात्राओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में गुरुवार को महू शहर पूरी तरह छावनी में तब्दील रहा. स्थानीय प्रशासन और पुलिस की तमाम सख्तियों, भारी बल की तैनाती तथा एहतियाती गिरफ्तारियों को धता बताते हुए युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने पुलिस को पूरी तरह चकमा दे दिया. कार्यकर्ताओं ने अचूक रणनीति के तहत ड्रीमलैंड चौराहे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन कर उग्र प्रदर्शन किया. अचानक हुए इस घटनाक्रम से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया और आनन-फानन में पुलिसकर्मी जलते पुतले को बुझाते हुए नजर आए. कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आंदोलन को शुरू होने से पहले ही कुचलने के लिए कोतवाली पुलिस ने गुरुवार सुबह करीब 9.30 बजे एक बड़ी एहतियाती कार्रवाई की. पुलिस ने युवा कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष ओम पटेल को उस समय हिरासत में ले लिया, जब वे शहर के एक जिम में वर्कआउट कर रहे थे. पुलिस प्रशासन का मानना था कि पटेल के नेतृत्व में बड़ा बवाल हो सकता है. हालांकि, पुलिस की यह रणनीति धरी की धरी रह गई. अध्यक्ष की गैर-मौजूदगी में भी युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने पूरी ताकत के साथ प्रदर्शन को अंजाम दे दिया. इस प्रदर्शन के दौरान देवेंद्र अग्रवाल, रहमान शेख, अरुण गुर्जर, विवेक मीणा, आदर्श मीणा, अल अमन, गौरव शर्मा सहित सैकड़ो युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद रहे.

अभाविप सिमरोल ने प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को किया सम्मानित

सिमरोल. अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की सिमरोल नगर इकाई द्वारा विद्यार्थी परिषद के 78वें स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के उपलक्ष्य पर सिमरोल नगर का गौरव बढ़ाने वाले 150 से अधिक प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया. सिमरोल नगर मंत्री आदित्य मालीवाल ने बताया कि राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस पर विद्यार्थी परिषद सिमरोल नगर इकाई द्वारा प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया. जिसमें मुख्य अतिथि कु. स्वाति मौर्य सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी ने विद्यार्थियों को राष्ट्रप्रथम के भाव से कार्य करने हेतु प्रेरित किया. कार्यक्रम में विशेष अतिथि अभाविप धार विभाग के विभाग संगठन मंत्री धीरज जायसवाल ने परिषद का गौरवशाली इतिहास बताया, परिषद केवल संगठन नहीं राष्ट्रनिर्माण की पाठशाला है, परिषद हर क्षेत्र में नेतृत्व खड़ा करते हुए व्यक्तिनिर्माण से राष्ट्रनिर्माण की ओर बढ़ रही है. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी अभिभावक एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे. आभार नगर मंत्री आदित्य मालीवाल ने व्यक्त किया. कार्यक्रम के अंत में संपूर्ण वंदे मातरम का सामूहिक गान किया गया.

मानपुर की बेटी भाव्या ने लगातार दूसरी बार जीते मेडल

महू. मानपुर निवासी प्रतिभावान बेटी भाव्या जाट पिता लेखराज जाट ने एक बार फिर विजेता बनकर लगातार दूसरे वर्ष भी अपना परचम लहराकर गौरव हासिल कर मानपुर नगर व प्रदेश में अपना नाम रोशन किया. 14 से 22 जुलाई 2026 तक मध्यप्रदेश स्टेट राइफल एसोसिएशन द्वारा इंदौर स्थित एमराल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित 29वीं मध्यप्रदेश स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में मानपुर की होनहार निशानेबाज बीटिया भाव्या जाट ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 कांस्य पदक जीतकर लगातार दूसरे वर्ष भी गौरव हासिल किया. उनकी इस उपलब्धि से मानपुर सहित पूरे क्षेत्र में हर्ष व्याप्त है. भाव्या जाट ने पिछले वर्ष भी प्री-स्टेट एवं स्टेट स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था. इसके बाद चोट इंजरी के कारण उन्हें लंबे समय तक प्रतियोगिताओं से दूर रहना पड़ा. लेकिन भाव्या ने परिस्थितियों के आगे हार नहीं मानी. अपनी मजबूत इच्छा शक्ति, आत्मविश्वास, निरंतर अभ्यास और दृढ़ संकल्प के दम पर उन्होंने शानदार वापसी करते हुए लगातार दूसरे वर्ष भी पदक जीतकर यह साबित कर दिया कि सच्चे जज्बे के सामने कोई भी चुनौती बड़ी नहीं होती.

तीन लोगों ने फांसी लगाकर दी जान

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में अलग-अलग क्षेत्रों में आत्महत्या की तीन घटनाएं सामने आई हैं. गुरुवा नगर में पत्नी को मायके भेजने के बाद एक युवक ने फांसी लगा ली, वहीं पलासिया और खजराना क्षेत्र में भी एक युवती और युवक ने आत्मघाती कदम उठाया. तीनों मामलों में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है.

पुलिस के अनुसार, गुरुवानगर में रहने वाले 22 वर्षीय दुर्गेश गिरवाल ने घर में फांसी लगाकर जान दे दी. वह प्लंबर का काम करता था और अपने मामा के घर रह रहा था. परिजनों के अनुसार, दुर्गेश ने कुछ समय पहले राऊ निवासी युवती से प्रेम विवाह किया था. घटना से पहले उसने पत्नी को मायके भेजते हुए कहा था कि घर में शौचालय का निर्माण कराने के बाद उसे वापस बुला लेगा. पत्नी के जाने के बाद उसने यह कदम उठा लिया. पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है. वहीं पलासिया थाना क्षेत्र की बड़ी ग्वालटोली में रहने वाली 25 वर्षीय रिम्शा ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, रिम्शा तलाकशुदा थी. पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है.

इधर खजराना थाना क्षेत्र के राजीव नगर में रहने वाले 26 वर्षीय अजहर ने भी फांसी लगाकर जान दे दी. परिजनों ने पुलिस को बताया कि वह पिछले कुछ समय से मानसिक तनाव से गुजर रहा था और उसका इलाज चल रहा था. पुलिस ने तीनों मामलों में शवों का पोस्टमार्टम कराया है. फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है. पुलिस परिजनों के बयान दर्ज कर जांच कर रही है.

कचरा फेंकने के विवाद में पड़ोसी ने बेसबॉल बैट से सिर फोड़ा

महिला और उसके दो बेटों पर मारपीट व जान से मारने की धमकी का आरोप

नव भारत न्यूज

इंदौर. घर के सामने कचरा फेंकने को लेकर हुए विवाद में एक व्यक्ति पर पड़ोसी महिला और उसके बेटों द्वारा हमला करने का मामला सामने आया है. आरोप है कि विवाद के दौरान बेसबॉल बैट से सिर पर वार कर उसे घायल कर दिया. पुलिस ने मामले में शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

पीड़ित अनिल माने ने पत्नी और बेटे के साथ थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है. पीड़ित ने बताया कि वह शासकीय जनसंपर्क विभाग में कार्यरत हैं और 23 गुरुवार जुलाई की सुबह

करीब 6 बजे घर पर मौजूद थे. इसी दौरान पड़ोस में रहने वाली आशा गायकवाड उनके घर के सामने कचरा फेंकने आई. पीड़ित ने पुलिस को बताया कि कचरा फेंकने को लेकर मना करने पर आशा गायकवाड़ गाली गलौज करने लगी. आवाज सुनकर जब वह घर से बाहर आए तो महिला ने उनके साथ भी अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया. इसी दौरान उसका बड़ा बेटा संदीप गायकवाड़ वहां पहुंचा और मारपीट शुरू कर दी.

> **पत्नी और बेटे के साथ भी की मारपीट**
>
> आरोप है कि छोटे बेटे जगदीश गायकवाड ने पास में पड़े बेसबॉल बैट से उनके सिर पर वार कर दिया, जिससे सिर में चोट लगने के बाद खून निकलने लगा और वह जमीन पर गिर गए. बीच बचाव करने पहुंचे पीड़ित के बेटे और पत्नी के साथ भी मारपीट करने का आरोप लगाया है. पीड़ित ने पुलिस को यह भी बताया कि जाते समय आरोपियों ने उन्हें और परिवार को जान से खत्म करने की धमकी भी दी. पुलिस ने घायल का मेडिकल परीक्षण कराया है. शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है.

70 करोड़ की एमडी ड्रग्स तस्करी में ईडी ने कसा शिकंजा

- मनी लॉन्ड्रिंग केस में तीन आरोपी गिरफ्तार
- अवैध कमाई बैंक खातों से खपाने के मिले साक्ष्य

नव भारत न्यूज

इंदौर. करीब 70 करोड़ रुपए कीमत की 70 किलो मेफेड्रोन (एमडी) ड्रग्स की कथित तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. इंदौर सब जोनल कार्यालय ने वेद प्रकाश व्यास, दिनेश अग्रवाल और अक्षय अग्रवाल को 21 जुलाई को गिरफ्तार किया था. आरोपियों पर ड्रग्स तस्करी से अर्जित करोड़ों रुपए की अवैध कमाई को अलग-अलग बैंक खातों के जरिए वैध दिखाने का आरोप है.

ईडी ने यह कार्रवाई इंदौर क्राइम ब्रांच द्वारा एनडीपीएस एक्ट की धाराओं 8 और 22 के तहत दर्ज एफआईआर के आधार पर शुरू की थी. मामला 70 किलो मेफेड्रोन (एमडी) की कथित तस्करी से जुड़ा है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 70 करोड़ रुपए बताई गई है. जांच के दौरान ईडी को ऐसे वित्तीय लेनदेन मिले हैं, जिनसे संकेत मिलता है कि ड्रग्स तस्करी से प्राप्त रकम को आरोपियों ने अपने व्यक्तिगत और कारोबारी बैंक खातों के माध्यम से अलग अलग स्तर पर ट्रांसफर कर उसका स्रोत छिपाने की कोशिश की.

अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका भी तलाशी जा रही-प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की अधिकृत जानकारी के अनुसार, मनी लॉन्ड्रिंग जांच में आरोपियों द्वारा मादक पदार्थों की अवैध तस्करी से बड़ी मात्रा में अपराध की आय अपराध से अर्जित आय (प्रोसीड्स ऑफ क्राइम) अर्जित करने और उसे विभिन्न व्यक्तिगत एवं व्यावसायिक बैंक खातों के जरिए छिपाने के साक्ष्य मिले हैं. तलाशी के दौरान बरामद दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस और अन्य साक्ष्यों की जांच जारी है. मामले में मनी ट्रेल, अवैध संपत्तियों और अन्य संभावित आरोपियों की भूमिका की पड़ताल अभी जारी है.

> **जांच में बड़ी मात्रा में नकद लेनदेन भी सामने आया**
>
> जांच में बड़ी मात्रा में नकद लेनदेन भी सामने आए हैं. पूछताछ के दौरान दर्ज बयानों में आरोपियों की नियमित कारोबार के साथ मादक पदार्थों की सप्लाई और तस्करी में कथित संलिप्तता की जानकारी भी सामने आई है. इससे पहले 17 जुलाई को ईडी ने इंदौर और मंदसौर में आरोपियों से जुड़े कई ठिकानों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया था. कार्रवाई में वित्तीय दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और संपत्तियों एवं कारोबारी लेनदेन से जुड़े अहम रिकॉर्ड जब्त किए थे. इन्हीं साक्ष्यों और लगातार निगरानी के आधार पर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया.

ऑटो से 11 .57 किलो गांजा लेकर जा रहे दो युवक पकड़ाए

भागीरथपुरा के रहने वाले हैं दोनों आरोपी, की जा रही पूछताछ

नव भारत न्यूज

इंदौर. कनाड़िया पुलिस ने ऑटो से गांजा ले जा रहे दो युवकों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के पास से 11.57 किलो गांजा मिला है. पुलिस ने गांजा ले जाने में इस्तेमाल किया गया ऑटो भी जब्त किया है. दोनों आरोपी भागीरथपुरा क्षेत्र के रहने वाले हैं.

देर रात टीपीएस 9 रोड बिचौली हप्सी क्षेत्र में बिल्लू मालवीय के खेत के पास चेकिंग के दौरान पुलिस को दो युवकों पर संदेह हुआ. पूछताछ और तलाशी में उनके पास से गांजा मिला. पकड़े गए आरोपियों की पहचान अनिल बौरासी उम्र 18 साल, निवासी भागीरथपुरा और प्रिंस उर्फ दादू, निवासी भागीरथपुरा के रूप में हुई है. पुलिस ने दोनों के पास से 11.57 किलो गांजा और एमपी 09 आरए 5347 नंबर का पैसेंजर ऑटो रिक्शा जब्त किया है. ऑटो की कीमत करीब 1.80 लाख रुपए बताई गई है. कनाड़िया थाना प्रभारी सहर्ष यादव का कहना है कि दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा के तहत केस दर्ज किया है. अब उनसे पूछताछ कर यह पता लगाया जा रहा है कि गांजा कहां से लाया था और इसे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था.

एक नजर में — शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग तेज

छात्रों का आंदोलन 24वें दिन भी जारी, प्रशासन सतर्क

नवभारत न्यूज

इंदौर. भंवरकुआं स्थित टंट्या भील चौराहे पर नीट पेपर लीक और 23 सूत्रीय मांगों को लेकर छात्रों का आंदोलन गुरुवार को 24वें दिन भी जारी रहा. आंदोलन में शामिल छात्रों का कहना है कि यह केवल नीट परीक्षा तक सीमित मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे शिक्षा तंत्र में पारदर्शिता, जवाबदेही और छात्रों के भविष्य से जुड़ा संघर्ष है.

धरना स्थल पर प्रतिदिन छात्रों की संख्या बढ़ने का दावा किया जा रहा है. आंदोलनकारियों के अनुसार अभिभावक और स्थानीय नागरिक किसी न किसी रूप में इस आंदोलन से जुड़ चुके हैं. हाल के दिनों में अधिवक्ताओं का एक समूह भी छात्रों के समर्थन में पहुंचा है, जो उनकी मांगों को कानूनी रूप से प्रभावी ढंग से रखने में सहयोग कर रहा है. अभिभावक भी समय-समय पर धरना स्थल पर पहुंचकर छात्रों का मनोबल बढ़ा रहे हैं. आंदोलनकारियों की प्रमुख मांगों

में नीट पेपर लीक मामले के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई, शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग शामिल है. छात्रों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं होती, तब तक धरना जारी रहेगा. उनका दावा है कि आंदोलन अब अनिश्चितकालीन स्वरूप की ओर बढ़ रहा है. छात्रों ने यह भी स्पष्ट किया कि उनका आंदोलन किसी राजनीतिक दल के बैनर तले नहीं चल रहा है. उनका कहना है कि जो भी जनप्रतिनिधि या सामाजिक संगठन धरना स्थल पर आते हैं, उनसे केवल छात्र हित से जुड़े मुद्दों पर ही समर्थन देने का आग्रह किया जाता है. बुधवार देर रात पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी धरना स्थल पर पहुंचे और छात्रों से चर्चा कर उनका समर्थन किया. आंदोलनकारियों का कहना है कि इंदौर के अलावा प्रदेश के अन्य जिलों और राज्य से बाहर के लोग भी समर्थन देने पहुंच रहे हैं.

प्रशासन ने की सुरक्षा व्यवस्था: वहीं प्रशासन की ओर से धरना स्थल और आसपास के क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था की गई है. अधिकारियों का कहना है कि प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संचालित हो, इसके लिए स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जा रही है. प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक व्यवस्था और यातायात प्रभावित न हो, इसके लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं.

यह बोले विद्यार्थी...

पेपर लगातार बिक रहे हैं भ्रष्टाचार चरम पर है. हमारी मांग है कि दोषियों पर कार्रवाई हो, शिक्षा मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए, ताकि दूसरा मंत्री बनेगा तो छात्रों का सही भविष्य बनेगा.

- रवि अलावा, छात्र

छात्र मिलकर परिवर्तन लाएंगे, परिवर्तन उस सिस्टम का, जो देश को अंदर से पूरा खोखला कर रहा है. 18 घंटे पढ़ने वाले फेल, पेपर खरीदने वाले पास, हम ऐसे सिस्टम के लिए लड़ रहे हैं.

- अंशुल जैन, छात्र

एजेंसी एक-दो बार गलती करती है तो वार्निंग देकर छोड़ें, लेकिन वही एजेंसी 80 बार गलती कर रही है, फिर भी उसे चांस दे रहे हैं. यह कहीं ना कहीं सरकार की कमी है.

- करुणा विश्वकर्मा, छात्रा

ऐसी घटनाओं से छात्रों में डर है, हर विषय के पेपर लीक हो रहे हैं. ऐसे में छात्रों का भविष्य अंधकार की ओर जा रहा है. हमारे आंदोलन से आने वाले छात्रों का भविष्य सुरक्षित रहेगा.

- अरुण धाकड़, छात्र